V संगठन एवं प्रबंध

ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं व्यावसायिक संगठनों के क्षेत्र में वातावरण में तेजी से हो रहे परिवर्तनों के कारण कर्मचारियों का निरंतर कौशल-उच्चीकरण, तकनीकी विशेषज्ञता और उच्च-स्तरीय व्यावसायिकता अधिक महत्वपूर्ण हो गई हैं. इसको ध्यान में रखते हुए अपने वर्तमान प्रशिक्षण माड्यूलों के परिशोधन, नए कार्यक्रम प्रारम्भ करने और दौरों के माध्यम से देश में तथा विदेशों में विभिन्न संस्थाओं से उन्हें परिचित करवाकर नाबार्ड अपने कर्मचारियों की क्षमता के निर्माण पर जोर देता है. बैंक ने भर्ती, तैनाती, कैरियर विकास एवं कार्यनिष्पादन प्रबंध में उन्नत कार्यनीतियों के जरिए विभिन्न क्षेत्रों और अपने हित के एरिया में सर्वोत्तम प्रतिभाओं को आकर्षित करने की कोशिश की है. इसके तहत अपने कारपोरेट दर्शन और मजबूत बनाने तथा अध्ययन, रचनात्मकता एवं अनुकूलनशीलता को बढ़ावा देने वाली संस्कृति के निर्माण का प्रयास किया गया है जिससे संगठन अपने मिशन को पूरा करने में समर्थ हो सके.

सामान्य

अ. निदेशक मंडल

5.2 वर्ष के दौरान निदेशक मंडल की सात बैठकें हुईं. इसके अतिरिक्त कार्यकारी समिति और आरआईडीएफ के तहत ऋणों के लिए मंजूरी समिति की छह-छह बैठकें हुईं. लेखा परीक्षा समिति की पांच बैठकें हुईं. 'आरआईडीएफ के तहत ऋणों के लिए मंजूरी समिति' का नाम बदलकर 'कृषि आधार-भूत सुविधा ऋण निधि के तहत ग्रामीण आधारभूत सुविधा परियोजनाओं के लिए राज्य सरकारों को ऋणों हेतु मंजूरी समिति' कर दिया गया है. समिति की एक बैठक मार्च 2004 में हुई.

5.3 श्री योगेश नंदा, अध्यक्ष ने 30 जून 2003 को अपने कार्यकाल की समाप्ति पर अपने पद से अवकाश ग्रहण किया. श्री वेपा कामेसम, तत्कालीन उप गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक और सदस्य, निदेशक मंडल को वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने नियमित अध्यक्ष / प्रबंध निदेशक की नियुक्ति होने तक बैंक के कार्यों का समन्वय करने के लिए नियुक्त किया. श्रीमती रंजना कुमार को 21 नवम्बर 2003 से अध्यक्ष नियुक्त किया गया. श्री वाई.एस.पी.थोरात ने 17 मार्च 2004 से प्रबंध निदेशक का पदभार संभाला.

5.4 श्रीमती विनीता राय, आईएएस, सचिव (बैंकिंग और बीमा) भारत सरकार, वित्त और कंपनी कार्य मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) को 10 जुलाई 2003 से निदेशक के रूप में पुनः नामित किया गया. वे कार्यकारी समिति, आरआईडीएफ के तहत ऋणों के लिए मंजूरी समिति और बैंक के निदेशक मंडल की लेखा-परीक्षा समिति की सदस्य भी बनी रहीं. श्रीमती विनीता राय के स्थान पर श्री एन.एस.सिसोदिया, आईएएस, सचिव (वित्तीय क्षेत्र), वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, आर्थिक कार्य विभाग, को 26 दिसम्बर 2003 से निदेशक नामित किया गया. उन्हें बैंक की कार्यकारी समिति एवं आरआईडीएफ के तहत ऋणों के लिए बैंक की मंजूरी समिति का सदस्य भी नामित किया गया. श्री आर.सी.ए.जैन, आईएएस के स्थान पर श्रीमती राधा सिंह, आईएएस, सचिव, कृषि मंत्रालय, कृषि और सहकारिता विभाग, भारत सरकार को 29 फरवरी 2004 से निदेशक नियुक्त किया गया. उन्हें कृषि आधार-भूत सुविधा और ऋण निधि के तहत ग्रामीण आधारभूत सुविधाओं के लिए राज्य सरकारों को ऋणों के लिए मंजूरी समिति का सदस्य भी नियुक्त किया गया.

5.5 कृषि विज्ञान केन्द्र, प्रवरा प्राकृतिक एवं सामाजिक विज्ञान शोध एवं शिक्षण संस्थान के न्यासी और निदेशक मंडल के सदस्य श्री शंकरराव नारायणराव जोशी का 16 नवम्बर 2003 को निधन हो गया.

5.6 श्री आर.पी.बगाई, आईएएस के स्थान पर डॉ.पी.राघवन, आईएएस, प्रमुख सचिव एवं कृषि उत्पादन आयुक्त (एपीसी), छत्तीसगढ़ सरकार को 26 दिसम्बर 2003 से निदेशक नामित किया गया. श्री टी.एस.श्रीधर, आईएएस के स्थान पर डॉ.आर.कन्नन, आईएएस, कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव, तमिलनाडु सरकार को 1 जनवरी 2004 से निदेशक नामित किया गया. श्री एस.सी.दास, आईएएस के स्थान पर श्री सी.बाबू राजीव, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं कृषि उत्पादन आयुक्त, असम सरकार को 1 जनवरी 2004 से निदेशक नामित किया गया.

5.7 श्री वेपा कामेसम 23 दिसंबर 2003 को पदभार से सेवानिवृत्त हुए और उनके स्थान पर श्रीमती के.जे.उदेशी, उप गवर्नर, रिज़र्व बैंक को 27 दिसंबर 2003 से निदेशक मंडल में निदेशक नियुक्त किया गया. उन्हें बैंक के निदेशक मंडल की कार्यकारी समिति, आरआईडीएफ

के तहत परियोजना मंजूरी समिति और लेखापरीक्षा समिति का सदस्य भी नियुक्त किया गया.

5.8 31 मार्च 2004 की स्थिति के अनुसार निदेशक मंडल में राष्ट्रीय बैंक अधिनियम, 1981 की धारा 6(1)(ख) के अंतर्गत दो रिक्तियां थीं.

आ. कार्यपालक

5.9 सर्वश्री एस.सुब्रमणियन, एम.जी.मारवाह और जी.के.अग्रवाल कार्यपालक निदेशक क्रमशः 31 मई, 31 जुलाई और 30 सितंबर 2003 को बैंक से सेवानिवृत्त हुए. परिणामस्वरूप महाप्रबंधकों सर्वश्री एस.एस.आचार्य, आर.बालकृष्णन और अमरेश कुमार की पदोन्नति कार्यपालक निदेशक के रूप में की गई. बर्ड, लखनऊ के निदेशक के रूप में नियुक्त श्री जे.एम.मात्यू, कार्यपालक निदेशक, नाबार्ड, 31 अक्तूबर 2003 को सेवानिवृत्त हुए.

इ. नाबार्ड का निरीक्षण

5.10 भारतीय रिज़र्व बैंक ने 31 मार्च 2003 की वित्तीय स्थिति के संदर्भ में अक्तूबर से दिसंबर 2003 तक नाबार्ड का छठा वित्तीय निरीक्षण किया. निरीक्षण के निष्कर्षों पर रिज़र्व बैंक और निदेशक मंडल की लेखापरीक्षा समिति के साथ विचार-विमर्श किया गया.

ई. क्षेत्रीय / जिला विकास प्रबंधक कार्यालय

5.11 वर्ष के दौरान आठ नए जिला विकास प्रबंधक कार्यालय खोले गए. परिणामतः 31 मार्च 2004 को इन कार्यालयों की संख्या 338 हो गई. मुंबई स्थित कारपोरेट कार्यालय के अतिरिक्त राज्यों की राजधानियों में राष्ट्रीय बैंक के 28 क्षेत्रीय कार्यालय, पोर्ट ब्लेयर में एक उप कार्यालय और श्रीनगर में एक कक्ष हैं.

मानव संसाधन विकास

अ. प्रशिक्षण और कौशल उन्नयन

5.12 राष्ट्रीय बैंक स्टाफ महाविद्यालय, लखनऊ ने कार्य संबंधी, व्यवहार-संबंधी और तकनीकी विषयों पर 88 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें राष्ट्रीय बैंक के 1,637 अधिकारी शामिल हुए. कृषि-व्यापार और कृषि प्रसंस्करण, ग्रामीण आवास और कंप्यूटर-आधारित परियोजना मूल्यांकन एवं जोखिम विश्लेषण पर नए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए.

5.13 कुल मिलाकर, 653 अधिकारियों को बाहरी एजेन्सियों द्वारा आयोजित विशेष रूप से तैयार और पूर्व-निर्धारित कुल 216 प्रशिक्षण कार्यक्रमों, एक्सपोजर दौरों, कार्यशालाओं, सेमिनारों और सम्मेलनों में प्रतिनियुक्त किया गया. इन कार्यक्रमों में तनाव-प्रबंध, कमोडिटी और डेरिवेटिव एक्सचेंज प्रबंध, महिलाओं से संबंधित मुद्दे (प्रशिक्षकों के लिए), वाटरशेड विकास में पारिस्थितिकीय परिप्रेक्ष्य, क्षेग्रा बैंकों के नामित निदेशकों की भूमिका और आउटडोर प्रबंध कार्यक्रम, जैसे कुछ विषय शामिल थे. अहमदनगर (महाराष्ट्र) और वलसाड (गुजरात) जिलों में वाटरशेड और वाडी परियोजनाओं के क्षेत्र में एक्सपोजर दौरे आयोजित किए गए. अधिकारियों को अन्य संस्थाओं के साथ साथ सीआईआई, मुंबई और चेन्नई, बिज़नेस एशिया, मुंबई, एनआईसीएम, गांधीनगर, उड़ीसा कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर तथा जवाहरलाल इन्स्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट बैंकिंग, हैदराबाद द्वारा आयोजित सेमिनारों और सम्मेलनों में भी प्रतिनियुक्त किया गया. इस प्रकार वर्ष के दौरान राष्ट्रीय बैंक स्टाफ महाविद्यालय और अन्य संस्थाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में 2,290 अधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया गया.

क. विदेश में प्रशिक्षण

5.14 नाबार्ड ने सहभागी संस्थाओं के 15 अधिकारियों सहित 129 अधिकारियों को विदेशों में विभिन्न संस्थाओं के विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमों, एक्सपोजर दौरों, सेमिनारों, सम्मेलनों आदि के लिए प्रतिनियुक्त किया जो इस प्रकार हैं - एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट; अप्राका सेन्ट्रैब; आईआईआरआर, फिलीपीन्स; अप्राका, थाइलैंड; वेंट, जर्मनी; लंदन बिजनेस स्कूल, यूके; कार्नेल विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका; साउथ अफ्रीकन रिज़र्व बैंक, (एसएआरबी) साउथ अफ्रीका; केयूएलटी प्रोग्राम्स ऑफ वर्ल्ड बैंक इंस्टीट्यूट; वास्मे, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ को-ऑपरेटिव डेवलपमेंट, श्रीलंका; बैंक रक्यात इंडोनेशिया (बीआरआई), इंडोनेशिया; और मनीला, तेल अवीव, बीजिंग, बैंकाक, जिनेवा और खारतूम स्थित अन्य संस्थान.

5.15 इक्कीस अधिकारियों के एक दल ने साउथ अफ्रीकन रिज़र्व बैंक, साउथ अफ्रीका में बैंक पर्यवेक्षण पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया, ताकि वे विनियमन और पर्यवेक्षण के सिद्धांतों, दृष्टिकोणों और पद्धतियों से संबंधित नवीनतम परिवर्तनों तथा बैंकों के विनियमन, पर्यवेक्षण और जोखिम प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण लोगों के दायित्वों की जानकारी प्राप्त कर सकें. 12 अधिकारियों का एक दल बीआरआई, इंडोनेशिया के दौरे पर गया, ताकि ग्रामीण ऋण देने में बीआरआई द्वारा ऋण के क्षेत्र में

अपनाए जा रहे विभिन्न नवोन्मेषों, संसाधन संग्रहण तंत्र और उत्कृष्ट प्रथाओं से दल के सदस्य परिचित हो सकें.

5.16 वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राष्ट्रीय बैंक के पूर्व अध्यक्ष रीजनल रूरल माइक्रो फायनेन्स बैंक की स्थापना पर अप्राका, थाइलैण्ड में एक गोल मेज विचार-विमर्श में सम्मिलित हुए. वर्तमान अध्यक्ष ने राष्ट्रीय बैंक, गैर-सरकारी संगठनों और अन्य बैंकों के नौ अन्य अधिकारियों के साथ फरवरी 2004 में ढाका में आयोजित एशिया पैसिफिक रीजनल माइक्रो क्रेडिट समिट में भाग लिया.

ख. कंप्यूटर प्रौद्योगिकी का प्रशिक्षण

5.17 कंप्यूटर के उपयोग की आधारभूत जानकारी, ऑटो-कैड और विज़ुअल बेसिक पर 40 स्टाफ सदस्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए. वित्तीय लेखांकन के लिए बैंक के संशोधित सॉफ्टवेयर पैकेज के बारे में भी क्षेत्रीय कार्यालयों के 38 अधिकारियों के लिए राबैं स्टाफ महाविद्यालय में दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए. अधिकारियों / कर्मचारियों द्वारा पर्सनल कंप्यूटरों के प्रभावी इस्तेमाल में वृद्धि के लिए, प्रधान कार्यालय के विभागों को दो बाहरी मेंटरों की सेवाएं उपलब्ध कराई गईं. दस्तावेज तैयार करने और लैन प्रणाली और मेल मेसेजिंग में संसाधनों के साझा उपयोग पर 251 स्टाफ सदस्यों के लिए प्रधान कार्यालय में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया.

ग. अन्य कर्मचारियों का प्रशिक्षण

5.18 राष्ट्रीय बैंक प्रशिक्षण केन्द्र, लखनऊ और आंचलिक प्रशिक्षण केन्द्र, हैदराबाद में कर्मचारियों (ग्रुप 'बी' और 'सी' स्टाफ) को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिनमें वर्ष के दौरान 76 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए. इनमें 1,348 स्टाफ सदस्य सम्मिलित हुए, जो कि उनकी कुल स्टाफ संख्या का 58 प्रतिशत है.

5.19 इन केन्द्रों पर चार नए कार्यक्रम आरंभ किए गए हैं, जो हैं - नाबार्ड के परिचालनात्मक तथा पर्यवेक्षण कार्य, बुनियादी लेखांकन और सामान्य बैंकिंग, थ्रस्ट क्षेत्रों का परिचय और आत्मबोध. इसके अतिरिक्त, बाहरी एजेन्सियों की सहायता से तनाव और स्वास्थ्य प्रबंध पर एक-एक दिन की तीन कार्यशालाएं भी आयोजित की गईं, जिनमें 60 सहभागी सम्मिलित हुए. महिला कर्मचारियों की घर और कार्य-स्थल की भूमिकाओं के प्रभावी प्रबंधन के लिए उन्हें तैयार करने के प्रयोजन से, प्रधान कार्यालय की 66 महिलाओं के लिए, तीन कार्यशालाएं आयोजित की गईं, जिनमें उन्हें सॉफ्ट स्किल्स एवं व्यावहारिक क्षेत्रों का प्रशिक्षण दिया गया.

आ. विदेशी आगंतुक

5.20 नौ देशों से एनआईबीएम, पुणे में बैंकिंग और विकास पर एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में भाग लेने आए 13 सहभागियों के एक दल ने फरवरी 2004 में नाबार्ड, प्रधान कार्यालय का दौरा किया. उन्हें बैंक के कार्यों एवं कार्यकलापों के संबंध में जानकारी दी गई. स्टेट काउंसिल आफ चाइना के डेवलपमेन्ट रिसर्च सेन्टर (डीआरसी) से वाइस प्रेसिडेन्ट (वाइस मिनिस्टर) डॉ. सून जियाओ के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मण्डल ने भारत में नीतिगत संवाद और सहयोग के लिए संस्थागत संपर्क स्थापित करने के अपने मिशन के एक भाग के रूप में मार्च 2004 में नाबार्ड के शीर्ष प्रबंध-तंत्र के साथ विचार-विमर्श किया.

इ. भर्ती, पदोन्नति और स्टाफ की संख्या

क. सीधी भर्ती

5.21 वर्ष के दौरान, अधिकारी संवर्ग में कुल 121 व्यक्ति भर्ती किए गए, जिनमें विधि सेवा, राजभाषा और शिष्टाचार एवं सुरक्षा सेवा में से प्रत्येक के लिए तीन-तीन एवं ग्रामीण विकास बैंकिंग सेवा के विभिन्न क्षेत्रों के लिए 112 अधिकारी थे. इनमें से 74 व्यक्तियों को कृषि अभियांत्रिकी, जैव-प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रसंस्करण, सिंचाई, कंप्यूटर सेवा, विद्युत / सिविल अभियांत्रिकी, वित्त, अर्थशास्त्र और मानव संसाधन विकास में विशेषज्ञता प्राप्त है. नियुक्त किए गए अधिकारियों में से 28, 11 और 32 क्रमशः अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों से एवं 11 शारीरिक रूप से विकलांग हैं. दो व्यक्ति (एक अनुसूचित जाति से) और 17 व्यक्ति (3 अनुसूचित जाति से, 4 अनुसूचित जनजाति से और 3 अन्य पिछड़े वर्गों से) क्रमशः ग्रुप 'बी' और 'सी' में भर्ती किए गए.

ख. पदोन्नतियां

5.22 वर्ष के दौरान हुई पदोन्नतियों का विवरण सारणी 5.1 में दिया गया है. इसके अतिरिक्त, आठ (2 अनुसूचित जाति) कर्मचारी अधीनस्थ स्टाफ संवर्ग में पदोन्नत किए गए और 29, 19 एवं 5 अधिकारी क्रमशः ग्रेड 'सी' से 'डी', 'डी' से 'ई' और 'ई' से 'एफ' में पदोन्नत किए गए.

तालिका 5.1ः वर्ष के दौरान हुई पदोन्नतियां

विवरण	कुल	इनमें से	
		अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति
ग्रेड ए से बी अधिकारी	83	10	8
ग्रेड बी से सी अधिकारी	65	9	4
लिपिक से अधिकारी संवर्ग	55	16	6

ग. स्टाफ की संख्या

5.23 दिनांक 31 मार्च 2004 को बैंक की कुल स्टाफ संख्या 5.298 थी, जिनमें से 1,309 अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के थे (सारणी 5.2).

तालिका 5.2 : स्टाफ की कुल संख्या			
संवर्ग	कुल संख्या	संवर्ग-वार संख्या	
		अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति
ग्रुप 'ए'	2,963	409 (13.80)	190 (6.41)
ग्रुप 'बी'	1,350	152 (11.26)	118 (8.74)
ग्रुप 'सी'	985	325 (32.99)	115 (11.68)
जोड़	**5,298**	**886 (16.72)**	**423 (7.98)**

कोष्ठकों में दिये गये आंकड़े जोड़ से प्रतिशत दर्शाते हैं.

5.24 बैंक में भूतपूर्व सैनिकों और शारीरिक रूप से विकलांग कर्मचारियों की संख्या क्रमशः 128 और 82 थी, जो कि कुल स्टाफ संख्या का क्रमशः 2.4 और 1.6 प्रतिशत थी.

प्रशासनिक एवं अन्य मामले

अ. औद्योगिक संबंध

5.25 बैंक में औद्योगिक संबंध सौहार्दपूर्ण बने रहे. आल इण्डिया नाबार्ड आफिसर्स एसोसिएशन, आल इण्डिया नाबार्ड एम्प्लाईज एसोसिएशन और आल इण्डिया नाबार्ड प्रोग्रेसिव एम्प्लाईज वेलफेयर एसोसिएशन के साथ आवधिक रूप से विचार-विमर्श किया गया. वरिष्ठ कार्यपालकों और मुख्य लाइजन अधिकारी की आल इण्डिया नाबार्ड प्रोग्रेसिव एम्प्लाईज वेलफेयर एसोसिएशन के साथ त्रैमासिक बैठकें प्रधान कार्यालय में नियमित रूप से आयोजित की गईं.

5.26 उच्चतम न्यायालय द्वारा दिये गये निर्देश के अनुसार, कार्य-स्थल पर महिलाओं का यौन-उत्पीड़न रोकने के प्रयोजन से, प्रधान कार्यालय में एक केन्द्रीय शिकायत समिति और 18 क्षेत्रीय शिकायत समितियां गठित की गई हैं. वर्ष के दौरान, उत्तरांचल क्षेत्रीय कार्यालय में एक और क्षेत्रीय शिकायत समिति गठित हो जाने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 19 हो गई. इसके अतिरिक्त, नाबार्ड (स्टाफ) नियमावली, 1982 में एक नया नियम शामिल किया गया, जिसमें कार्य-स्थल पर महिलाओं का यौन-उत्पीड़न रोकने के लिए स्पष्ट रूप से प्रावधान किया गया है.

आ. अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के लिए कल्याणकारी उपाय

5.27. संसदीय अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति ने तमिलनाडु क्षेत्रीय कार्यालय का दौरा किया और अजा/अजजा के लिए आरक्षण एवं अन्य कल्याणकारी उपायों से संबंधित मामलों पर बैंक के वरिष्ठ कार्यपालकों तथा आल इण्डिया नाबार्ड प्रोग्रेसिव एम्प्लाईज वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श किया.

5.28 इन कर्मचारियों को उपलब्ध कराये गये विभिन्न लाभ निम्नानुसार हैं :

- भारत सरकार के निर्देशों के अनुरूप बैंक ने जिन ग्रेडों में आरक्षण उपलब्ध कराना स्वीकार किया है, उन सभी में सीधी भर्ती द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों और पदोन्नतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों में अजा/अजजा के पक्ष में आरक्षण का कड़ाई से पालन.
- अजा/अजजा के 105 अधिकारियों और 62 लिपिकीय स्टाफ के लाभ के लिए तीन-तीन पदोन्नति-पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया.
- अजा/अजजा/अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण नीति एवं प्रणालियों के कार्यान्वयन से संबंधित मामलों पर कार्रवाई करने वाले अधिकारियों, लाइजन अधिकारियों और वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के लिए राष्ट्रीय बैंक स्टाफ महाविद्यालय में एक कार्यशाला आयोजित की गई.
- वर्ष के दौरान, छात्रवृत्ति/पुस्तक अनुदान योजना के अंतर्गत रु.2.26 लाख की राशि अजा/अजजा के कर्मचारियों के आश्रितों में संवितरित की गई. बी. आर. अंबेडकर पुस्तकालय की सात इकाइयों को समाचार पत्रों, टेलीफोन और पर्सनल कंप्यूटरों के साथ पुस्तक अनुदान भी दिया गया.

इ. स्टाफ को अन्य लाभ

5.29 302 कर्मचारियों को कुल रु. 11.93 करोड़ की राशि के आवास ऋण स्वीकृत किए गए. पिछले वर्षों के दौरान स्वीकृत ऋणों को मिलाकर स्वीकृतियों के समक्ष संवितरण रु. 12.45 करोड़ रहा.

5.30 स्टाफ में खेल गतिविधियों और भाईचारे को बढ़ावा देने के प्रयोजन से अखिल भारतीय राष्ट्रीय बैंक स्पोर्ट्स मीट (नाबोत्सव - X) दिसंबर 2003 में कोलकाता में आयोजित किया गया.

ई. सूचना प्रौद्योगिकी

5.31 ऑन-लाइन वित्तीय लेखा प्रणाली विकसित करने के लिए एक साफ्टवेयर प्रोजेक्ट पूर्ण किया गया और उसके प्रयोग के संबंध में सभी लेखा इकाइयों को राष्ट्रीय बैंक स्टाफ महाविद्यालय में प्रशिक्षण प्रदान किया गया. वर्तमान में, व्यवसाय प्रक्रियाओं में कंप्यूटरों का उपयोग अलग-अलग मात्रा में और असमन्वित रूप में किया जाता है. उन्हें समन्वित करने के प्रयोजन से, व्यवसाय विभागों के लिए साफ्टवेयर विकसित करने की प्रक्रिया जारी है. इससे नीतिगत आयोजना और निर्णय लेने, दोनों के लिए व्यापक डाटाबेस उपलब्ध कराने के अतिरिक्त अनुप्रवर्तन और कंप्यूटर सेवाओं में सुधार आने की आशा है.

उ. सतर्कता

5.32 नाबार्ड ने सतर्कता निगरानी पर पर्याप्त बल देना जारी रखा और 15 क्षेत्रीय कार्यालयों/प्रशिक्षण संस्थानों का निरोधक सतर्कता निरीक्षण किया. कर्मचारियों को संवेदनशील बनाने के लिए 3 से 8 नवंबर 2003 तक बैंक ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया.

ऊ. कार्यालय परिसर / आवासीय क्वार्टर

5.33 मुंबई स्थित प्रधान कार्यालय, 14 क्षेत्रीय कार्यालय और लखनऊ स्थित तीन प्रशिक्षण संस्थान - राष्ट्रीय बैंक स्टाफ महाविद्यालय, बैंकर ग्रामीण विकास संस्थान और राष्ट्रीय बैंक प्रशिक्षण केन्द्र, बैंक के अपने स्वामित्व वाले परिसरों में अवस्थित हैं. वर्ष के दौरान तिरुवनंतपुरम् स्थित क्षेत्रीय कार्यालय के भवन का निर्माण-कार्य पूरा हुआ. गुवाहाटी और लखनऊ स्थित क्षेत्रीय कार्यालयों के भवनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है. जम्मू, ईटानगर, पोर्ट ब्लेयर और श्रीनगर में कार्यालय परिसर के लिए भूखंड खरीद लिए गए हैं और निर्माण-प्रस्ताव का नक्शा तैयार हो रहा है.

5.34 नाबार्ड ने 17 केन्द्रों पर अधिकारियों के लिए अपने आवासीय क्वार्टरों का निर्माण कर लिया है/क्वार्टर खरीद लिए हैं. अब तक 15 केन्द्रों पर ग्रुप 'बी' स्टाफ के लिए और 13 केन्द्रों पर ग्रुप 'सी' स्टाफ के लिए आवासीय क्वार्टर बनवा/खरीद लिए गए हैं. गुवाहाटी में स्टाफ क्वार्टरों का निर्माण-कार्य प्रगति पर है.

ए. निरीक्षण

5.35 प्रधान कार्यालय ने 14 क्षेत्रीय कार्यालयों का और कोलकाता स्थित आंचलिक लेखा परीक्षा कक्ष द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र के 3 क्षेत्रीय कार्यालयों का निरीक्षण किया गया. वर्ष के दौरान एक विभाग के आंशिक निरीक्षण सहित, प्रधान कार्यालय के 15 विभागों का निरीक्षण किया गया. मासिक लेखापरीक्षा विवरणियों के माध्यम से क्षेत्रीय कार्यालयों के संगामी लेखापरीक्षा कक्षों की ऑफ-साइट निगरानी भी की गई. वर्ष के दौरान मध्यवर्ती लेखों (विविध अग्रिम और विविध लेनदार) की तिमाही समीक्षा पूरी की गई.

5.36 बैंक के निवेश संबंधी लेनदेनों की तिमाही रिपोर्टें नियमित रूप से रिज़र्व बैंक को भेजी गईं. 5 क्षेत्रीय कार्यालयों, नामतः आंध्र प्रदेश, गुजरात, उड़ीसा, राजस्थान और पश्चिम बंगाल की संगामी लेखापरीक्षा का कार्य एक बाहरी एजेंसी, मेसर्स हरिभक्ति एंड कं. को दिया गया.

ऐ. जन संपर्क

5.37 नाबार्ड ने देश के विभिन्न भागों में विविध कृषि और व्यापार प्रदर्शनियों में हिस्सा लिया. इंडियन एक्सप्रेस समूह ने अपने दो प्रकाशनों, 'इंडियन एक्सप्रेस' और 'लोकसत्ता' में हर पखवाड़े में एक पृष्ठ कृषि के लिए रखा. बैंक ने ग्रामीण विकास में प्रसार-माध्यमों की भूमिका पर बहस शुरू करने के इरादे से टाइम्स ऑफ इंडिया प्रकाशन-समूह के साथ मिलकर 'विचार से कार्य तक' विषय पर एक परिसंवाद का आयोजन किया, जिसमें प्रख्यात पत्रकारों, बैंकरों और कृषि वैज्ञानिकों ने अनुभवों और विशेषज्ञता का पारस्परिक आदान-प्रदान किया.

5.38 बैंक की गृह-पत्रिका 'नाबार्ड परिवार' ने एसोसियेशन ऑफ बिज़नेस कम्यूनिकेटर्स ऑफ इंडिया (एबीसीआई) द्वारा स्थापित 'मैगजिन ऑफ द ईयर' पुरस्कार जीता. 12 जुलाई 2003 को नाबार्ड ने विकास के सहयोगी के रूप में अपनी भूमिका पर एक कारपोरेट फिल्म रिलीज़ की. इसके अतिरिक्त, बैंक द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड के संदेश वाले 10 लाख मेघदूत पोस्टकार्डों से संबंधित कार्य शुरू किया गया.

ओ. कारपोरेट संपर्क कक्ष

5.39 सरकारी क्षेत्र के उद्यम अपने कारपोरेट सामाजिक दायित्व के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि के अतिरिक्त स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य सामाजिक क्षेत्रों में कई परियोजनाओं पर भी काम करते हैं. चूंकि इन संस्थाओं के पास कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र के लिए अपेक्षित मूल क्षमताएं नहीं होतीं, इसलिए नाबार्ड ने एक कारपोरेट संपर्क कक्ष स्थापित किया है जो सरकारी क्षेत्र के इन उद्यमों के साथ सहयोग करेगा ताकि गांवों के लोगों के लिए उनके परंपरागत कार्यकलापों के

साथ-साथ वाटरशेड विकास, स्वयं सहायता समूह संवर्धन और आय-अर्जक कार्यों पर बल देते हुए, इन उद्यमों की गतिविधियों को और बेहतर तथा सार्थक बनाया जा सके. कक्ष ने फरवरी 2004 से काम करना शुरू किया और उसे यह अधिदेश दिया गया है कि वह सरकारी उद्यमों के साथ नेटवर्किंग करे और उनके कारपोरेट सामाजिक दायित्व संबंधी कार्यों से अपेक्षित अनुभव प्राप्त करे तथा कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में बैंक के क्रियाशील प्रभाव का विस्तार करने के प्रयास में नाबार्ड के लिए कारोबार के अवसरों का पता लगाए. यह कक्ष,सरकारी क्षेत्र के दो उद्यमों, भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लि. और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लि. के साथ सहमति-ज्ञापन निष्पादित करने के अंतिम चरणों में है. इसके अतिरिक्त, कक्ष की ओएनजीसी, आईओसी, एनटीपीसी, आरसीएफएल, जीएआईएल और एनएचएआई से भी बातचीत शुरू हो गई है.

औ. हिन्दी को बढ़ावा

5.40 राष्ट्रीय बैंक ने दैनंदिन कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रयास जारी रखे. राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की तिमाही बैठकों में हिन्दी के प्रयोग में हुई प्रगति के साथ-साथ हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित सरकारी नीति की समीक्षा की गई और उसके कार्यान्वयन के लिए प्रभावी कदम उठाए गए.

5.41 भारत सरकार की हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत तेरह स्टाफ सदस्यों को अपेक्षित प्रशिक्षण दिया गया. नौ आशुलिपिकों को निरंतर आधार पर हिन्दी आशुलिपि प्रशिक्षण के लिए प्रतिनियुक्त किया गया और 845 स्टाफ सदस्यों को पर्सनल कंप्यूटर पर हिंदी में काम करने का प्रशिक्षण दिया गया. सत्तावन स्टाफ सदस्यों ने बैंक की दूर शिक्षण योजना के अंतर्गत ली गई परीक्षा उत्तीर्ण की.

5.42 क्षेत्रीय कार्यालयों में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के क्षेत्र में समग्र कार्यनिष्पादन के लिए राजभाषा शील्ड 2002-03 मध्य प्रदेश (क्षेत्र 'क'), गुजरात (क्षेत्र 'ख') और आंध्र प्रदेश (क्षेत्र 'ग') को प्रदान की गई. राजस्थान और उत्तर प्रदेश (क्षेत्र 'क'), महाराष्ट्र, पंजाब और हरियाणा (क्षेत्र 'ख') और कर्नाटक और तमिलनाडु (क्षेत्र 'ग') क्षेत्रीय कार्यालयों को द्वितीय एवं तृतीय स्थानों के लिए श्रेष्ठता प्रमाणपत्र दिए गए.

5.43 बैंक की हिन्दी गृहपत्रिका 'राष्ट्रीय बैंक सृजना' ने इस वर्ष विभिन्न संस्थाओं से छह पुरस्कार प्राप्त किए, जिनमें भारतीय रिज़र्व बैंक, मायाराम सुरजन फाउण्डेशन, रायपुर और एसोसियेशन ऑफ बिज़नेस कम्यूनिकेटर्स ऑफ इंडिया शामिल हैं.

5.44 बैंक के वर्तमान और सेवानिवृत्त स्टाफ के लिए 'कृषि और ग्रामीण विकास' विषय पर मौलिक रूप से हिन्दी में पुस्तक-लेखन की एक योजना शुरू की गई. हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से स्टाफ सदस्यों और उनके परिवारजनों के लिए प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं.

5.45 संसदीय राजभाषा समिति ने गुजरात क्षेत्रीय कार्यालय का दौरा/निरीक्षण किया. उप निदेशक, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय), भारत सरकार ने भी प्रधान कार्यालय का दौरा किया. समिति और उप निदेशक ने हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के बैंक के प्रयासों की सराहना की. इसके अतिरिक्त, प्रधान कार्यालय ने भी छह क्षेत्रीय कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग की स्थिति की समीक्षा की.

5.46 बैंक की वेबसाइट हिन्दी में डिजाइन की गई और अंग्रेजी वेबसाइट में वार्षिक रिपोर्ट और बैंक के प्रोफाइल को द्विभाषिक रूप में उपलब्ध कराया गया.